राजस्थानअनुशासननककार्यवाही (साक्षिर्ोंकासमनककर्ाजानाऔरदस्तावेजोंकापेशककर्ा जाना)

अनिननर्म, 1959

(1959काअनिननमर्संख्र्ा 28)

(राज्र्पालकीअनुमनतकदनांक24मई, 1959कोप्राप्तहुई)

राजस्थान राज्ज के कार्यकलाप के संबंि में लोक सेवाओं और लोक पदों पर ननर्ुक्तव्क्तिर्ोंकेक्तिवरुद्धअनुशासननककार्यवाकहर्ोंमेंसाक्षिर्ोंकीहाक्षजरीकेनलएतथादस्तावेजोंकेपेशकेकरनेकेनलएक्तववशकरनेकाउपबंिकरनेहेतुअनिननर्म।

भारतगणराज्केदसवेंवयर्मेंराजस्थानराज्क्तिविानमण्डलननम्ननलक्षितअनिननमर्बनाताहै :-

1. संक्षिप्तनाम**,** प्रसारतथाप्रारम्भः-(1) इसअनिननमर्कानामराजस्थानअनुशासननककार्यवाही (साक्षिर्ोंकासमनककर्ाजानातथादस्तावेजोंकापेशककर्ाजाना)अनिननर्म, 1959 है।

(2) इसकाप्रसारसम्पूणयराजस्थानराज्मेंहै।

(3) हर्तुरन्तप्रवृत्तहोगा।

2. अनिननर्म कालागूहोनाः- हर्अनिननमर्राज्केकार्यकलापकेसंबंिमेंलोकसेवाओंऔरपदोंपरननर्ुयव्क्तिर्ोंकेक्तिवरुद्धसमस्तिक्तवभागीजांचोंपरलागूहोगा।

3. पररभार्ाएंः-जबतककिक्तवअथवासन्दभयमेंअन्र्थाअपेक्षितनहो, इसअनिननमर्में-

(क) "क्तिवभागीजांच, से अनभप्रेत हैं भारत के संक्तिविान के अनुच्छेद 309 के अिीन बनार्ीगर्ीककसीक्तिवनिर्ाननमर्के, अथवाअनुच्छेद313केअिीनचालूरिगर्ेककसीननमर्केअिीनऔरउसकेअनुसारककसीव्क्तियकेक्तिवरुद्धकीगर्ीजांच; और

(ि)'जांचप्रानिकारी' सेअनभप्रेतहैककसीव्क्तियकेआचरणकेबारेमेंक्तिवभागीजांच करनेकेनलर्ेराज्सरकारद्वाराअथवाराज्सरकारकेककसीअिीनस्थ अनिकारीर्ाप्रानिकारीद्वारानार्ुयकोईअनिकारीर्ाप्रानिकारीऔरइसके अन्तगयतऐसाकोईअनिकारीर्ाप्रानिकारीभीहैजोतद्रूपेणउक्तजांचकरनेकेनलर्ेअन्र्थाअनिकृतहै।

4.जांचप्रानिकारीकीसाक्षिर्ोंकीहाक्षजरीकेनलएऔरदस्तावेजोंकेपेशककर्ेजानेकेनलएक्तववशकरनेकीशक्तियर्ांः-(1) जांचप्रानिकारीकोवहींशक्तियर्ांहोंगीजोककसीवादिक्तवचारणकेसमर्,साक्षिर्ोंकासमनकरनेऔरउन्हेंहाक्षजरहोनेकेनलर्ेऔरदस्तावेजोंकोपेशकरनेकेनलएक्तववशकरनेहेतुनसक्तिवलन्र्ार्ालर्मेंनसक्तिवलप्रकिर्ासंकहता, 1908(1908काकेन्द्रीअनिननर्म5)केअिीननकहतहै।

(2) ऐसेजांचप्रानिकारीद्वारासाक्षिर्ोंकीहाक्षजरीकाररतकरानेकेनलएर्ादस्तावेजोंकोपेशकरनेकेनलएक्तववशकरनेहेतुजारीकीगर्ीसभीआदेनशकाएंऐसेक्षजलान्र्ार्ािीशकीमार्यत तामील और ननष्पाकदत की जार्ेगी क्षजसकी अनिकाररता में वह सािी र्ा ऐसा अन्व्क्तियक्षजसपरआदेनशकातामीलर्ाननष्पाकदतकीजानीहै, ननवासकरताहै।

5. ननर्म बनाने को शक्तियः- राज्सरकार इस अनिननर्म के उपबंिों को कार्ायक्षन्वतकरनेकेप्रर्ोजनोंकेनलर्ेननमर्बनासकेगी।

सम्पतराजनसंघी,
क्तिवनिसनचव।